इंटर्नशिप रिपोर्ट

प्रथम दिवस (1) **Day Report**

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: इंटर्नशिप का परिचय, नियम, उद्देश्य एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का प्रथम दिवस था। आज का मुख्य विषय "इंटर्नशिप का परिचय, नियम, उद्देश्य एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज इंटर्नशिप की प्रकृति, नियम, उद्देश्य, अनुशासन और प्रशिक्षण योजना को समझने पर विशेष ध्यान दिया गया। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Orientation & Skill Development** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा

करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "इंटर्नशिप का परिचय, नियम, उद्देश्य एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "इंटर्नशिप का परिचय, नियम, उद्देश्य एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल

सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. इंटर्नशिप के उद्देश्य और 20 दिनों की कार्ययोजना को समझना।
2. कार्यक्रम के नियम, अनुशासन और समय प्रबंधन की जानकारी लेना।
3. संस्था की कार्यप्रणाली और प्रशिक्षकों से परिचय प्राप्त करना।
4. **Banking & Finance** क्षेत्र के लिए मानसिक रूप से तैयार होना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "इंटर्नशिप का परिचय, नियम, उद्देश्य एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। आज मैंने महसूस किया कि अनुशासन और नियमितता किसी भी इंटर्नशिप की सफलता का आधार हैं। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही

है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर प्रथम दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट
द्वितीय दिवस (2) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: बैंकिंग और फाइनेंस का परिचय एवं महत्व

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का द्वितीय दिवस था। आज का मुख्य विषय "बैंकिंग और फाइनेंस का परिचय एवं महत्व" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की मूल अवधारणा, समाज में भूमिका और आर्थिक विकास में योगदान पर विस्तार से चर्चा हुई। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Orientation & Skill Development** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा

करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "बैंकिंग और फाइनेंस का परिचय एवं महत्व" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "बैंकिंग और फाइनेंस का परिचय एवं महत्व" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा पर भी

जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. बैंकिंग और फाइनेंस की परिभाषा लिखना।
2. बैंक की सामाजिक और आर्थिक भूमिका को समझना।
3. दैनिक जीवन में बैंकिंग सेवाओं के उदाहरण पहचानना।
4. वित्तीय अनुशासन के महत्व पर चर्चा करना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "बैंकिंग और फाइनेंस का परिचय एवं महत्व" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। आज मुझे समझ आया कि बैंकिंग केवल पैसे जमा करने या निकालने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक सुरक्षा और विकास का आधार है। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर द्वितीय दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की

गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट
तृतीय दिवस (3) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: भारतीय बैंकिंग प्रणाली की मूल जानकारी

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का तृतीय दिवस था। आज का मुख्य विषय "भारतीय बैंकिंग प्रणाली की मूल जानकारी" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज भारत में बैंकिंग व्यवस्था, रिजर्व बैंक, वाणिज्यिक बैंक और वित्तीय संस्थाओं की भूमिका को समझाया गया। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Orientation & Skill Development** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा

करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "भारतीय बैंकिंग प्रणाली की मूल जानकारी" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "भारतीय बैंकिंग प्रणाली की मूल जानकारी" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा पर भी

जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. भारतीय बैंकिंग प्रणाली के मुख्य घटकों की सूची बनाना।
2. **RBI** और वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका समझना।
3. बैंकिंग प्रणाली में ग्राहक, बैंक और सरकार के संबंध को समझना।
4. बैंकिंग सुधारों का संक्षिप्त विवरण लिखना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "भारतीय बैंकिंग प्रणाली की मूल जानकारी" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। भारतीय बैंकिंग प्रणाली को समझकर मुझे वित्तीय व्यवस्था की गंभीरता और व्यापकता का ज्ञान हुआ। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर तृतीय दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट
चतुर्थ दिवस (4) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: बैंकों के प्रकार: सार्वजनिक, निजी, ग्रामीण एवं सहकारी बैंक

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का चतुर्थ दिवस था। आज का मुख्य विषय "बैंकों के प्रकार: सार्वजनिक, निजी, ग्रामीण एवं सहकारी बैंक" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज अलग-अलग प्रकार के बैंकों की संरचना, उद्देश्य, कार्यक्षेत्र और ग्राहकों को दी जाने वाली सेवाओं पर चर्चा हुई। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Orientation & Skill Development** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा

करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "बैंकों के प्रकार: सार्वजनिक, निजी, ग्रामीण एवं सहकारी बैंक" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "बैंकों के प्रकार: सार्वजनिक, निजी, ग्रामीण एवं सहकारी बैंक" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल

सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. सार्वजनिक, निजी, ग्रामीण और सहकारी बैंकों का अंतर लिखना।
2. हर बैंक के उद्देश्य और कार्यक्षेत्र को पहचानना।
3. ग्राहकों को दी जाने वाली सेवाओं की सूची बनाना।
4. किसी स्थानीय बैंक का संक्षिप्त परिचय तैयार करना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "बैंकों के प्रकार: सार्वजनिक, निजी, ग्रामीण एवं सहकारी बैंक" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। बैंकों के प्रकार जानने से मुझे यह समझ आया कि अलग-अलग ग्राहकों और क्षेत्रों के लिए अलग-अलग बैंकिंग सेवाएँ आवश्यक होती हैं। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप

मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर चतुर्थ दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट
पंचम दिवस (5) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेज

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का पंचम दिवस था। आज का मुख्य विषय "बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेज" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज खाता खोलने की प्रक्रिया, आवेदन पत्र, **KYC**, पहचान प्रमाण, पता प्रमाण और बैंकिंग दस्तावेजों की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Orientation & Skill Development** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा

करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेज" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेज" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल

सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. खाता खोलने के आवेदन पत्र के मुख्य भाग समझना।
2. पहचान प्रमाण और पता प्रमाण की सूची तैयार करना।
3. **KYC** दस्तावेजों का महत्व लिखना।
4. खाता खोलने की प्रक्रिया को क्रमबद्ध रूप में लिखना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेज" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। खाता खोलने की प्रक्रिया जानकर मुझे दस्तावेजों की शुद्धता और पहचान सत्यापन का महत्व समझ आया। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही

है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर पंचम दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट
षष्ठ दिवस (6) **Day Report**

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**
दिनांक: _____
स्थान: _____
इंटर्न का नाम: _____
विषय: बचत खाता, चालू खाता और सावधि जमा की जानकारी

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का षष्ठ दिवस था। आज का मुख्य विषय "बचत खाता, चालू खाता और सावधि जमा की जानकारी" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा की उपयोगिता तथा अंतर को समझाया गया। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Domain Introduction Banking & Finance** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने

और उदाहरण साझा करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।
प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।
आज के विषय "बचत खाता, चालू खाता और सावधि जमा की जानकारी" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।
प्रशिक्षण सत्र में "बचत खाता, चालू खाता और सावधि जमा की जानकारी" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल

सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. बचत खाता, चालू खाता और **FD** का अंतर समझना।
2. खातों की उपयोगिता और ग्राहकों की जरूरत पहचानना।
3. जमा राशि, ब्याज और अवधि की जानकारी लिखना।
4. बैंक जमा योजनाओं की तुलना करना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "बचत खाता, चालू खाता और सावधि जमा की जानकारी" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। विभिन्न खातों की जानकारी से मुझे समझ आया कि हर ग्राहक की वित्तीय जरूरत अलग होती है। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।
Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।
मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर षष्ठ दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट
सप्तम दिवस (7) **Day Report**

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**
दिनांक: _____
स्थान: _____
इंटर्न का नाम: _____
विषय: बैंकिंग सेवाएँ: **ATM, Debit Card, Credit Card** और **Net Banking**

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का सप्तम दिवस था। आज का मुख्य विषय "बैंकिंग सेवाएँ: **ATM, Debit Card, Credit Card** और **Net Banking**" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज **ATM**, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, चेक बुक, नेट बैंकिंग और ग्राहक सेवा जैसी सुविधाओं का अध्ययन किया गया। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Domain Introduction Banking & Finance** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित

कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "बैंकिंग सेवाएँ: **ATM, Debit Card, Credit Card** और **Net Banking**" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "बैंकिंग सेवाएँ: **ATM, Debit Card, Credit Card** और **Net Banking**" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक

है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।

सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. **ATM** और कार्ड सेवाओं के उपयोग की प्रक्रिया समझना।
2. डेबिट और क्रेडिट कार्ड का अंतर लिखना।
3. नेट बैंकिंग में सुरक्षा नियमों की सूची बनाना।
4. बैंकिंग सेवाओं के लाभ और सावधानियाँ लिखना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "बैंकिंग सेवाएँ: **ATM, Debit Card, Credit Card** और **Net Banking**" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। बैंकिंग सेवाओं की जानकारी से मुझे आधुनिक बैंकिंग की सुविधा और जिम्मेदारी दोनों का अनुभव हुआ। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा

संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर सप्तम दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट
अष्टम दिवस (8) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: डिजिटल बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग का उपयोग

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का अष्टम दिवस था। आज का मुख्य विषय "डिजिटल बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग का उपयोग" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, डिजिटल ऐप, सुरक्षित लेन-देन और ऑनलाइन सुविधा की भूमिका बताई गई। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Domain Introduction Banking & Finance** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने

और उदाहरण साझा करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "डिजिटल बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग का उपयोग" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "डिजिटल बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग का उपयोग" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल

सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. मोबाइल बैंकिंग ऐप की बुनियादी सुविधाएँ समझना।
2. डिजिटल भुगतान के लाभ लिखना।
3. सुरक्षित लॉगिन और पासवर्ड नियम समझना।
4. ऑनलाइन लेन-देन में सावधानी की सूची बनाना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "डिजिटल बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग का उपयोग" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। डिजिटल बैंकिंग ने मुझे तकनीक और वित्तीय सुविधा के सही उपयोग की प्रेरणा दी। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर अष्टम दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

नवम दिवस (9) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: UPI, NEFT, RTGS और IMPS भुगतान प्रणाली

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का नवम दिवस था। आज का मुख्य विषय **"UPI, NEFT, RTGS और IMPS भुगतान प्रणाली"** रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज **UPI**, **NEFT**, **RTGS** और **IMPS** जैसी भुगतान प्रणालियों की प्रक्रिया, समय और उपयोगिता पर चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Domain Introduction Banking & Finance** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने

और उदाहरण साझा करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय **"UPI, NEFT, RTGS और IMPS भुगतान प्रणाली"** को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में **"UPI, NEFT, RTGS और IMPS भुगतान प्रणाली"** को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल

सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. **UPI**, **NEFT**, **RTGS** और **IMPS** का अंतर लिखना।
2. लेन-देन की सीमा, समय और उपयोगिता समझना।
3. भुगतान संदर्भ संख्या का महत्व पहचानना।
4. डिजिटल भुगतान में ग्राहक सावधानी लिखना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "**UPI, NEFT, RTGS और IMPS** भुगतान प्रणाली" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। भुगतान प्रणालियों के अध्ययन से मुझे तेज, सुरक्षित और व्यवस्थित लेन-देन का महत्व समझ आया। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।
Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति कोईमानदारी, सावधानी, गोपनी यता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।
आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।
मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप

मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर नवम दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट
दशम दिवस (10) **Day Report**

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**
दिनांक: _____
स्थान: _____
इंटर्न का नाम: _____
विषय: **KYC** प्रक्रिया और ग्राहक पहचान का महत्व

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का दशम दिवस था। आज का मुख्य विषय "**KYC** प्रक्रिया और ग्राहक पहचान का महत्व" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज **KYC** प्रक्रिया, ग्राहक पहचान, दस्तावेज सत्यापन, अपडेट और बैंकिंग सुरक्षा के महत्व को समझाया गया। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Domain Introduction Banking & Finance** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने

और उदाहरण साझा करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "**KYC** प्रक्रिया और ग्राहक पहचान का महत्व" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "**KYC** प्रक्रिया और ग्राहक पहचान का महत्व" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा पर भी

जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. **KYC** फॉर्म और दस्तावेजों की जानकारी लेना।
2. ग्राहक पहचान और सत्यापन का महत्व समझना।
3. **KYC** अपडेट की आवश्यकता लिखना।
4. संदिग्ध गतिविधियों से बचाव पर चर्चा करना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "**KYC** प्रक्रिया और ग्राहक पहचान का महत्व" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। **KYC** प्रक्रिया को समझकर मुझे बैंकिंग में सुरक्षा और पारदर्शिता का महत्व स्पष्ट हुआ। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।
Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।
मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही

है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर दशम दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

एकादश दिवस (11) **Day Report**

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: ऋण की जानकारी: **Personal Loan, Education Loan, Home Loan**

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का एकादश दिवस था। आज का मुख्य विषय "ऋण की जानकारी: **Personal Loan, Education Loan, Home Loan**" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज व्यक्तिगत ऋण, शिक्षा ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण और ऋण स्वीकृति की मूल प्रक्रिया पर अध्ययन हुआ। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Domain Training Banking & Finance** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित

कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "ऋण की जानकारी: **Personal Loan, Education Loan, Home Loan**" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "ऋण की जानकारी: **Personal Loan, Education Loan, Home Loan**" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए

बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।

सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. विभिन्न ऋणों के प्रकार और उद्देश्य समझना।
2. ऋण आवेदन में आवश्यक दस्तावेजों की सूची बनाना।
3. ऋण पात्रता और क्रेडिट स्कोर का महत्व लिखना।
4. ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को क्रमबद्ध लिखना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "ऋण की जानकारी: **Personal Loan, Education Loan, Home Loan**" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। ऋण की जानकारी से मुझे जिम्मेदारी के साथ उधार लेने और भुगतान करने की सीख मिली। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान

और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर एकादश दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

द्वादश दिवस (12) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: ब्याज दर, EMI और ऋण भुगतान प्रक्रिया

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का द्वादश दिवस था। आज का मुख्य विषय "ब्याज दर, **EMI** और ऋण भुगतान प्रक्रिया" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज ब्याज दर, **EMI**, ऋण अवधि, पुनर्भुगतान योजना और ऋण दायित्व की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Domain Training Banking & Finance** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने

और उदाहरण साझा करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "ब्याज दर, EMI और ऋण भुगतान प्रक्रिया" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, ATM, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि Banking & Finance आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल commerce या finance के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "ब्याज दर, EMI और ऋण भुगतान प्रक्रिया" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा पर भी

जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. ब्याज दर और **EMI** का मूल अर्थ समझना।
2. ऋण अवधि और मासिक किस्त का संबंध लिखना।
3. समय पर भुगतान के लाभ पहचानना।
4. ऋण चूक के नुकसान पर चर्चा करना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "ब्याज दर, EMI और ऋण भुगतान प्रक्रिया" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। EMI और ब्याज दर को समझकर मुझे वित्तीय निर्णय लेते समय गणना और सावधानी का महत्व पता चला। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि Banking & Finance का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप

मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर द्वादश दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

त्रयोदश दिवस (13) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: वित्तीय प्रबंधन का परिचय और महत्व

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का त्रयोदश दिवस था। आज का मुख्य विषय "वित्तीय प्रबंधन का परिचय और महत्व" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज आय, खर्च, बचत, निवेश, जोखिम और वित्तीय निर्णय लेने की बुनियादी समझ विकसित की गई। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Domain Training Banking & Finance** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने

और उदाहरण साझा करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "वित्तीय प्रबंधन का परिचय और महत्व" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "वित्तीय प्रबंधन का परिचय और महत्व" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा पर भी

जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. वित्तीय प्रबंधन की परिभाषा और उद्देश्य लिखना।
2. आय, खर्च और बचत का संतुलन समझना।
3. व्यक्तिगत वित्तीय योजना का प्रारूप बनाना।
4. भविष्य की जरूरतों के लिए वित्तीय निर्णय सीखना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "वित्तीय प्रबंधन का परिचय और महत्व" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। वित्तीय प्रबंधन ने मुझे आय और खर्च के संतुलन का व्यावहारिक महत्व समझाया। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर त्रयोदश दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

चतुर्दश दिवस (14) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: बजट निर्माण, बचत और निवेश की मूल जानकारी

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का चतुर्दश दिवस था। आज का मुख्य विषय "बजट निर्माण, बचत और निवेश की मूल जानकारी" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज बजट बनाना, खर्च नियंत्रण, बचत योजना और छोटी राशि से निवेश की शुरुआत पर प्रशिक्षण मिला। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Domain Training Banking & Finance** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने

और उदाहरण साझा करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "बजट निर्माण, बचत और निवेश की मूल जानकारी" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "बजट निर्माण, बचत और निवेश की मूल जानकारी" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल

सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. मासिक बजट का नमूना बनाना।
2. बचत के व्यावहारिक उपाय लिखना।
3. निवेश के शुरुआती विकल्प पहचानना।
4. अनावश्यक खर्च कम करने की रणनीति बनाना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "बजट निर्माण, बचत और निवेश की मूल जानकारी" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। बजट और बचत की सीख से मुझे भविष्य की जरूरतों के लिए योजना बनाने की प्रेरणा मिली। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर चतुर्दश दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

पंचदश दिवस (15) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: बीमा, म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार का परिचय

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का पंचदश दिवस था। आज का मुख्य विषय "बीमा, म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार का परिचय" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज बीमा, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और निवेश के जोखिम-लाभ को सरल उदाहरणों से समझाया गया। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र Domain Training Banking & Finance चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को Banking & Finance क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने

और उदाहरण साझा करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "बीमा, म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार का परिचय" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "बीमा, म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार का परिचय" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल

सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. बीमा के प्रकार और आवश्यकता समझना।
2. म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार का मूल परिचय लिखना।
3. जोखिम और लाभ के संबंध को समझना।
4. निवेश से पहले जानकारी लेने की आदत विकसित करना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "बीमा, म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार का परिचय" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। निवेश विकल्पों की जानकारी से मुझे जोखिम समझकर निर्णय लेने की आदत विकसित करने की प्रेरणा मिली। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही

है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर पंचदश दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट
षोडश दिवस (16) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: बैंकिंग में ग्राहक सेवा और व्यवहार कौशल

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का षोडश दिवस था। आज का मुख्य विषय "बैंकिंग में ग्राहक सेवा और व्यवहार कौशल" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज ग्राहक सेवा, विनम्र संवाद, समस्या समाधान और बैंकिंग व्यवहार कौशल पर विशेष अभ्यास कराया गया। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Practical Learning & Project Work** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा

करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "बैंकिंग में ग्राहक सेवा और व्यवहार कौशल" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "बैंकिंग में ग्राहक सेवा और व्यवहार कौशल" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा पर भी

जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. ग्राहक से विनम्र संवाद का अभ्यास करना।
2. समस्या सुनकर उचित समाधान बताने की प्रक्रिया सीखना।
3. बैंकिंग काउंटर पर व्यवहार नियम लिखना।
4. ग्राहक सेवा में धैर्य और स्पष्ट भाषा का महत्व समझना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "बैंकिंग में ग्राहक सेवा और व्यवहार कौशल" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। ग्राहक सेवा के अभ्यास से मुझे विनम्रता, धैर्य और स्पष्ट संवाद का महत्व समझ आया। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही

है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर षोडश दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

सप्तदश दिवस (17) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: बैंकिंग धोखाधड़ी, साइबर सुरक्षा और सावधानियाँ

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का सप्तदश दिवस था। आज का मुख्य विषय "बैंकिंग धोखाधड़ी, साइबर सुरक्षा और सावधानियाँ" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज बैंकिंग धोखाधड़ी, **OTP** सुरक्षा, फिशिंग, नकली कॉल, साइबर जोखिम और सावधानियों पर चर्चा हुई। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Practical Learning & Project Work** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा

करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "बैंकिंग धोखाधड़ी, साइबर सुरक्षा और सावधानियाँ" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "बैंकिंग धोखाधड़ी, साइबर सुरक्षा और सावधानियाँ" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल

सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. बैंकिंग फ्रॉड के सामान्य प्रकार पहचानना।
2. **OTP**, **PIN** और पासवर्ड सुरक्षा नियम लिखना।
3. फिशिंग और नकली कॉल से बचाव समझना।
4. सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग की चेकलिस्ट बनाना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "बैंकिंग धोखाधड़ी, साइबर सुरक्षा और सावधानियाँ" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। बैंकिंग धोखाधड़ी की जानकारी ने मुझे डिजिटल लेन-देन में सतर्क रहने की प्रेरणा दी। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही

है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर सप्तदश दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

अष्टादश दिवस (18) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: वित्तीय साक्षरता और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग जागरूकता

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का अष्टादश दिवस था। आज का मुख्य विषय "वित्तीय साक्षरता और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग जागरूकता" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज वित्तीय साक्षरता, ग्रामीण बैंकिंग, जन-धन, डिजिटल भुगतान और जागरूकता अभियान को समझाया गया। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Practical Learning & Project Work** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा

करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "वित्तीय साक्षरता और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग जागरूकता" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "वित्तीय साक्षरता और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग जागरूकता" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल

सुरक्षा पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. वित्तीय साक्षरता का अर्थ और उद्देश्य लिखना।
2. ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग जागरूकता की आवश्यकता समझना।
3. सरकारी बैंकिंग योजनाओं की जानकारी एकत्र करना।
4. जागरूकता संदेश तैयार करना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "वित्तीय साक्षरता और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग जागरूकता" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। वित्तीय साक्षरता के अध्ययन से मुझे समाज में जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी महसूस हुई। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर अष्टादश दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

एकोनविंश दिवस (19) **Day Report**

संस्था का नाम: Ali Tech Computer Education Foundation

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: बैंकिंग एवं फाइनेंस से संबंधित प्रोजेक्ट वर्क

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का एकोनविंश दिवस था। आज का मुख्य विषय "बैंकिंग एवं फाइनेंस से संबंधित प्रोजेक्ट वर्क" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज बैंकिंग और फाइनेंस से संबंधित प्रोजेक्ट वर्क की योजना, डेटा संग्रह और रिपोर्ट संरचना पर अभ्यास हुआ। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Practical Learning & Project Work** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा

करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "बैंकिंग एवं फाइनेंस से संबंधित प्रोजेक्ट वर्क" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "बैंकिंग एवं फाइनेंस से संबंधित प्रोजेक्ट वर्क" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा पर भी

जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. प्रोजेक्ट विषय का चयन करना।
2. डेटा संग्रह और प्रश्नावली का प्रारूप बनाना।
3. रिपोर्ट की रूपरेखा तैयार करना।
4. टीम के साथ प्रोजेक्ट कार्य की जिम्मेदारी बाँटना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक र हा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपनाअलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "बैंकिंग एवं फाइनेंस से संबंधित प्रोजेक्ट वर्क" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। प्रोजेक्ट वर्क की तैयारी ने मुझे डेटा, विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन के महत्व से परिचित कराया। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही

है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर एकोनविंश दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट
विंश दिवस (20) **Day Report**

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**
दिनांक: _____
स्थान: _____
इंटर्न का नाम: _____
विषय: अंतिम रिपोर्ट लेखन, प्रस्तुति और इंटर्नशिप पूरी

1. परिचय

आज मेरी इंटर्नशिप का विंश दिवस था। आज का मुख्य विषय "अंतिम रिपोर्ट लेखन, प्रस्तुति और इंटर्नशिप पूरी" रहा। यह दिन मेरे लिए ज्ञानवर्धक, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा, क्योंकि आज के सत्र में मुझे विषय की मूल बातों के साथ-साथ उसके व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने सरल भाषा, उदाहरणों और चर्चा के माध्यम से बताया कि किसी भी इंटर्नशिप का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि सीखी गई बातों को व्यवहार में लागू करना भी होता है। आज अंतिम रिपोर्ट लेखन, प्रस्तुति, अनुभव साझा करना और इंटर्नशिप पूर्णता प्रक्रिया पर मार्गदर्शन मिला। इस प्रशिक्षण से मुझे यह समझ में आया कि बैंकिंग और फाइनेंस केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, व्यापार और देश की आर्थिक स्थिरता से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र **Practical Learning & Project Work** चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने आज के विषय की आवश्यकता और उपयोगिता पर चर्चा की। इस चरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को **Banking & Finance** क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, व्यवहारिक उपयोग, आवश्यक कौशल और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और उदाहरण साझा

करने का अवसर दिया गया। इससे सत्र एकतरफा न रहकर सहभागितापूर्ण बन गया। मैंने महसूस किया कि जब किसी विषय को दैनिक जीवन, बैंक शाखा, डिजिटल भुगतान और ग्राहक सेवा से जोड़ा जाता है, तो उसे समझना अधिक आसान हो जाता है।

प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि बैंकिंग और फाइनेंस की पढ़ाई में केवल सिद्धांत याद करना पर्याप्त नहीं होता। बैंक में होने वाली वास्तविक गतिविधियों जैसे खाता संचालन, जमा-निकासी, भुगतान, ऋण, ग्राहक पहचान, रिकॉर्ड रखरखाव और डिजिटल सुरक्षा को व्यवहारिक रूप से समझना भी जरूरी है। विद्यार्थी के रूप में मुझे यह अनुभव हुआ कि सही वित्तीय जानकारी भविष्य में नौकरी, व्यवसाय, परिवार प्रबंधन और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज के विषय "अंतिम रिपोर्ट लेखन, प्रस्तुति और इंटर्नशिप पूरी" को समझाते समय प्रशिक्षक ने बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र, **ATM**, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े उदाहरण दिए। इससे मुझे यह स्पष्ट हुआ कि **Banking & Finance** आज हर व्यक्ति के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। विद्यालय या महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी फीस भुगतान, छात्रवृत्ति, बैंक खाता, डिजिटल पेमेंट और भविष्य की बचत जैसी गतिविधियों से जुड़े रहते हैं। इसलिए इस विषय की समझ केवल **commerce** या **finance** के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए उपयोगी है।

प्रशिक्षण सत्र में "अंतिम रिपोर्ट लेखन, प्रस्तुति और इंटर्नशिप पूरी" को विद्यार्थी जीवन, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र से जोड़कर समझाया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि बैंकिंग व्यवस्था में विश्वास सबसे बड़ा आधार है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई जमा करता है, ऋण लेता है, भुगतान करता है और भविष्य की योजनाएँ बनाता है। इसलिए बैंकिंग कार्य में पारदर्शिता, गोपनीयता, सही जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार बहुत आवश्यक है। इस सत्र में समय प्रबंधन, टीम भावना, ग्राहक सेवा, दस्तावेजों की शुद्धता और डिजिटल सुरक्षा पर भी

जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि **Banking & Finance** में सीखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, क्योंकि नियम, तकनीक, भुगतान प्रणाली और ग्राहक आवश्यकताएँ समय के साथ बदलती रहती हैं।
सत्र में प्रशिक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग में हर प्रक्रिया का एक निश्चित उद्देश्य होता है। दस्तावेज लेने का उद्देश्य ग्राहक की पहचान सुनिश्चित करना है, पासवर्ड और **OTP** की सुरक्षा का उद्देश्य ग्राहक के धन को सुरक्षित रखना है, तथा ऋण मूल्यांकन का उद्देश्य बैंक और ग्राहक दोनों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। इस तरह हर नियम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वित्तीय सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने का साधन है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए-

1. अंतिम रिपोर्ट को व्यवस्थित करना।
2. प्रस्तुति के मुख्य बिंदु तैयार करना।
3. इंटर्नशिप अनुभव और सीख लिखना।
4. प्रशिक्षण पूर्णता से संबंधित सभी कार्य पूरे करना।

इन कार्यों के माध्यम से आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास भी कराया गया। हमें यह भी बताया गया कि प्रत्येक दिन की सीख को डायरी या रिपोर्ट में लिखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। प्रशिक्षकों ने सलाह दी कि हम अपने आसपास के बैंक, **ATM**, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राहक सेवा केंद्र और वित्तीय जागरूकता गतिविधियों को ध्यान से देखें तथा छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने का प्रयास करें।

4. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए काफी लाभदायक रहा। मैंने महसूस किया कि इंटर्नशिप के प्रत्येक दिन का अपना अलग महत्व है और हर दिन की सीख

भविष्य में काम आने वाली है। आज के विषय "अंतिम रिपोर्ट लेखन, प्रस्तुति और इंटर्नशिप पूरी" ने मेरे ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मेरे दृष्टिकोण को भी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाया। अंतिम दिवस ने मुझे पूरी इंटर्नशिप की सीख को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने की प्रेरणा दी। टीम के साथ चर्चा करने से मुझे सहयोग, नेतृत्व और सामूहिक कार्य की उपयोगिता समझ में आई। मैंने यह भी सीखा कि वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग तभी संभव है जब ग्राहक जागरूक हो और बैंक कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

Banking & Finance क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को ईमानदारी, सावधानी, गोपनीयता, समय प्रबंधन और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। बैंक में छोटी गलती भी ग्राहक के विश्वास, संस्था की छवि और वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रशिक्षण में बार-बार यह बताया गया कि बैंकिंग कार्य करते समय नियमों का पालन, सही दस्तावेजीकरण, स्पष्ट संवाद और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज की व्यावहारिक सीख से यह भी स्पष्ट हुआ कि वित्तीय निर्णय लेते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चाहे खाता खोलना हो, ऋण लेना हो, डिजिटल भुगतान करना हो या निवेश करना हो, हर कार्य में नियम, शर्तें, जोखिम और लाभ को समझना जरूरी है। प्रशिक्षक ने कहा कि आर्थिक जागरूकता व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और परिवार को सुरक्षित भविष्य की दिशा देती है। इस कारण आज का सत्र मेरे लिए केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सोचने और जिम्मेदारी महसूस कराने वाला रहा।

मैंने यह भी अनुभव किया कि **Banking & Finance** का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी है, क्योंकि पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, बचत, भुगतान और भविष्य की योजना हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी होती है। बैंकिंग प्रणाली समाज के आर्थिक विकास की रीढ़ है और इसमें प्रशिक्षित, ईमानदार तथा संवेदनशील युवाओं की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। इसलिए यह इंटर्नशिप मेरे व्यक्तित्व विकास और करियर तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

5. निष्कर्ष

कुल मिलाकर विंश दिवस अत्यंत सफल, उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। आज के प्रशिक्षण से मुझे विषय की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई और आगे के दिनों के लिए उत्साह भी बढ़ा। मैंने यह सीखा कि **Banking & Finance** का अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है, बल्कि यह व्यवहार, गणना, तकनीक, ग्राहक सेवा, सुरक्षा और आर्थिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। आज की गतिविधियों ने मुझे अपने व्यवहार, सोच और कार्य करने के तरीके में सुधार करने की प्रेरणा दी। मैं आने वाले दिनों में पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि यह इंटर्नशिप मेरे ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी लागू करने का प्रयास करूँगा।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____